

: 000000 0000 0000000000 -000000000 000000 0000 0000000000 00000000 00 00000000000  
00000 : 000000 0000 00000000 0000000 0000000 0000000 00 , 000000000 00000 00 00000000 0000  
00000 : 00000000 00000 000000000 00 000000000 00000 00 000000000 0000 00000000 00 0000  
0000000000 00000 0000000 : 00000 00000000 -00000000 00 00000000 00000 00000000 0000 0000  
00 00000 00000 00 00000000000 000000 00 :



000000 000000

00000 : आप अगर जनार्दन यादव को नहीं जानते हैं, तो भी कोई दक्कित नहीं पक़िर नॉट क्यू यॉक अब जनार्दन यादव अपने ही गीतों को अपने ही बुने तरनुं नुम के साथ गूथ कर चुनावी-दंगल में अपनी बेमसाल गायन-शैली में अपना वीडियो-लू बम तैयार कर रहे हैं जलू दी ही यह लू बम बाजार में दखिगा और फिर उसके बाद ही मचेगी धूम, झमाझम भोजपुरी बोली में राजनीतिक गीतों का धमाका होगा

जी हां, यह कमान सम्भालने जा रहे हैं जनार्दन यादव बलिया के सहतवार के रहने वाले जनार्दन यादव पहले सीमा सुरक्षा बल में तैनात रहे हैं, लेकिन जनार्दन ने हाल ही अपनी 25 साल की नौकरी से इस्तीफा देकर अपना बाकी जीवन भोजपुरी गीतों के समर्पण करने का फैसला किया है वे अपने जीवन के इस प्रयास को जीवन की कनयी चुनौती के तौर पर देख रहे हैं वे कहते हैं कः- अब चाहे कुछ भी हो जाय भोजपुरी गीतों के कनये अंदाज में पेश करने का अभियान छोड़ कर ही मानूंगा, जहां भोजपुरी गीत की प्रचलति अश्लीलता वाली धारा के खिलाफ कनये हास्य और वृंयंग य का स्तम्भ स्थापित किया जायगा इसमें राजनीतिक चुटीले गीत ही प्रमुख होंगे हां, सामाजिक और आर्थिक मसले भी शामिल किये जायेंगे



जनार्दन इस समय दिल्ही में रह रहे हैं सपरिवार कबेटी शालिनी आजमगढ़ मेडिकल कलेज में मबीबीएस में दूसरे वर्ष में पढ़ रही हैं पत्नी साथ में हैं और इस दम्पति के साथ छोटे दो बेटे दिल्ही में पढ़ रहे हैं वैसे तो जनार्दन की पढ़ाई गू वालथिर में हुई, और अपनी बीएस फकी नौकरी के चलते वे देश भर में जहां-तहां राष्ट्रसेवा में मस्त रहते लेकिन गीतों को बुनना और उनू हैं तरनुं नुम में गाना उनका शौकरहा चूंकि जनार्दन का पैतृक घर बलिया ही है, इसलिये जनार्दन के गायन में माधुर्यम भोजपुरी ही रहा आपके बता दें कि जनार्दन को बीएस फमें वाद-विवाद प्रतियोगिता में कई बार राष्ट्रिय पदक और सम्मान मलि चुके हैं

Written by कुमार सौवीर

Sunday, 08 January 2017 22:48

---

ताजा गीत यूपी में अखलेश यादव की सरकार की समीक्षा के तौर पर है। यह गीत 1090 चौराहा के सामने हम लोगों ने तब रिकॉर्ड किया था, जब वे हमसे मिलने लखनऊ पधारे थे। उसी दौरान कर पर बैठे-बैठे ही उन्हें होने अपना यह ताजा गीत सुनाया था। जाहरि है कि मैंने भी उनके गीत के साथ संगत दी और कर के तबले की तरह बजाना शुरू कर दिया। रही-बची कसर मैंने अपने मुंह से ढोलक की आवाज से निकल कर किया। सुन कर बताइयेगा जरूर कि कैसा रहा जनार्दन का यह गीत।

00 000 00 000000 00 000 0000000 00000 00 000000 00000000 [00:0000 00! 00 0000 0000 00 0](#)